## Important News: World

### 1. 2030 तक विश्व हर साल कम से कम 560 जलवायु आपदाओं का सामना करेगा: संयुक्त राष्ट्र

**चर्चा में क्यों?**

- संयुक्त राष्ट्र ने एक नई रिपोर्ट में चेतावनी दी है कि 2030 तक विश्व हर साल लगभग 560 आपदाओं का सामना करेगा।

**प्रमुख बिंदु**

- पिछले 20 वर्षों में दुनिया ने हर साल 350-500 मध्यम से बड़े पैमाने पर आपदाओं का अनुभव किया है।
- यह पिछले तीन दशकों की तुलना में पांच गुना अधिक है, संयुक्त राष्ट्र द्वारा हाल ही में जारी **वैश्विक आकलन रिपोर्ट (GAR 2022)** के अनुसार।
- **आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (UNDRR)** ने मई, 2022 में आपदा जोखिम न्यूनीकरण के वैश्विक मंच से पहले रिपोर्ट जारी की।
- जलवायु परिवर्तन और अपर्याप्त जोखिम प्रबंधन के कारण आपदा आवृत्ति में तेजी से वृद्धि हो सकती है।
- चूंकि सेंडाई फ्रेमवर्क की मध्यावधि समीक्षा चल रही है, यह रिपोर्ट एक जागृत कॉल होनी चाहिए कि देशों को बढ़ती आपदाओं को रोकने के लिए फ्रेमवर्क की चार प्राथमिकताओं में कार्रवाई में तेजी लाने की जरूरत है।
- 2030 तक जलवायु परिवर्तन और आपदाओं के प्रभावों के कारण अतिरिक्त 37.6 मिलियन लोगों के अत्यधिक गरीबी की स्थिति में रहने का अनुमान है।
- उच्च आपदा जोखिम का सामना करने वाले अधिकांश देश भी राष्ट्रीय गरीबी रेखा के नीचे रहने वाली आबादी के उच्चतम हिस्से वाले देशों में से हैं।
- इनमें एशिया-प्रशांत क्षेत्र से फिलीपींस, बांग्लादेश, म्यांमार, भारत, इंडोनेशिया, पाकिस्तान और वियतनाम शामिल हैं।

**स्रोत: DTE**

## 2. यूक्रेन विवाद के बाद से भारत की रूसी क्रूड खरीद 2021 की खरीद से दोगुनी

**चर्चा में क्यों?**

- भारत ने यूक्रेन पर आक्रमण के बाद से दो महीनों में रूस से दोगुने से अधिक कच्चे तेल की खरीद की है, जैसा कि उसने पूरे 2021 में किया था।
- भारत ने ऐसे समय में रूस से तेल आयात बढ़ाने के लिए रियायती कीमतों का लाभ उठाया है जब वैश्विक ऊर्जा की कीमतें बढ़ रही हैं।

**प्रमुख बिंदु**

- अमेरिका और चीन के बाद, भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता है, जिसका 80% से अधिक आयात किया जाता है।
- लेकिन एक कमोडिटी रिसर्च ग्रुप केप्लर के अनुसार, 2021 में, इसके कुल तेल आयात (यूराल क्रूड के 12 मिलियन बैरल) का लगभग 2% ही रूस से आया था।
- लेकिन अब तक, केप्लर के अनुसार, मार्च, अप्रैल, मई और जून को कवर करने वाले भारत के लिए किए गए यूराल तेल अनुबंधों की मात्रा - लगभग 26 मिलियन बैरल - पूरे 2021 के दौरान खरीदी गई मात्रा से अधिक है।
- यूक्रेन पर इसके आक्रमण के बाद, रूस के यूराल कच्चे तेल के लिए अब कम खरीदार हैं, कुछ विदेशी सरकारों और कंपनियों ने रूसी ऊर्जा निर्यात से दूर रहने का फैसला किया है, और इसकी कीमत गिर गई है।

**स्रोत: BBC**

## Important News: India

## 3. भारत की श्रम शक्ति भागीदारी दर (LFPR)

**चर्चा में क्यों?**

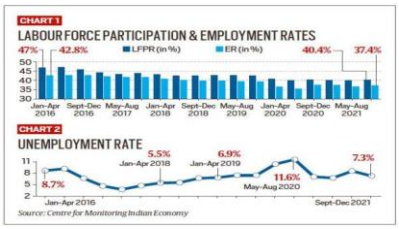


- **सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (CMIE)** के डेटा से पता चलता है कि **भारत की श्रम शक्ति भागीदारी दर (LFPR)** 2016 में पहले से कम 47% से गिरकर सिर्फ 40% रह गई है।

**प्रमुख बिंदु**

- इससे न केवल यह पता चलता है कि कामकाजी आयु वर्ग (15 वर्ष और उससे अधिक) में भारत की आधी से अधिक आबादी नौकरी के बाजार से बाहर बैठने का फैसला कर रही है, बल्कि यह भी है कि लोगों का यह अनुपात बढ़ रहा है।
- LFPR अनिवार्य रूप से काम करने की उम्र (15 वर्ष या उससे अधिक) आबादी का प्रतिशत है जो नौकरी मांग रहा है; यह एक अर्थव्यवस्था में नौकरियों के लिए "मांग" का प्रतिनिधित्व करता है।
- इसमें वे लोग शामिल हैं जो कार्यरत हैं और जो बेरोजगार हैं।
- बेरोजगारी दर (UER) श्रम बल के अनुपात के रूप में बेरोजगारों (श्रेणी 2) की संख्या के अलावा और कुछ नहीं है।

**भारत में LFPR का महत्व:**

- आमतौर पर, यह उम्मीद की जाती है कि LFPR काफी हद तक स्थिर रहेगा। जैसे, किसी अर्थव्यवस्था में बेरोजगारी का कोई भी विश्लेषण केवल UER को देखकर किया जा सकता है।
- लेकिन, भारत में, LFPR न केवल दुनिया के बाकी हिस्सों की तुलना में कम है, बल्कि गिर भी रहा है। यह, बदले में, UER को प्रभावित करता है क्योंकि LFPR वह आधार (हर) है जिस पर UER की गणना की जाती है।
- दुनिया भर में, LFPR लगभग 60% है। भारत में, यह पिछले 10 वर्षों में फिसल रहा है और 2016 में 47% से घटकर दिसंबर 2021 तक केवल 40% रह गया।

**सरकार द्वारा हाल ही में की गई पहल:**

- स्टार्ट अप इंडिया योजना
- आजीविका और उद्यम के लिए सीमांत व्यक्तियों के लिए समर्थन (SMILE)
- PM-दक्ष
- मनरेगा
- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना

**स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस**

## 4. PM-स्वनिधि योजना दिसंबर 2024 तक जारी रहेगी

**चर्चा में क्यों?**

- आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने **प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (PM-स्वनिधि)** को मार्च 2022 से आगे बढ़ाकर दिसबंर 2024 तक जारी रखने को मंजूरी दे दी है।

**प्रमुख बिंदु:**

**प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (PM-स्वनिधि) के बारे में:**

- इस योजना के जरिये रेहड़ी-पटरी वालों को बिना किसी जमानत के सस्ता ऋण दिया जा रहा है।
- इस योजना में 5,000 करोड़ रुपये की राशि के लिए ऋण की सुविधा की परिकल्पना की गई थी।
- आज की मंजूरी से ऋण की कुल राशि बढ़कर 8,100 करोड़ रुपये हो गई है जिसके परिणामस्वरूप रेहड़ी-पटरी वालों को कार्यशील पूंजी मिलेगी, ताकि वे अपने व्यापार को बढ़ा सकें और उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा सकेगा।
- रेहड़ी-पटरी वालों के लिये कैश-बैक सहित डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने के लिए बजट को भी बढ़ाया गया है।
- आशा की जाती है कि इस मंजूरी से शहरी इलाकों के लगभग 1.2 करोड़ लोगों को लाभ होगा।
- PM-स्वनिधि के अंतर्गत, महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की जा चुकी हैं। 25 अप्रैल, 2022 तक 31.9 लाख ऋणों को मंजूरी दी गई। इसके अलावा 29.6 लाख ऋणों के हिसाब से 2,931 करोड़ रुपये जारी किये गये।
- यह योजना जून 2020 में शुरू हुई थी।

**स्रोत: PIB**

## Important News: State

### 5. पर्वतमाला योजना के अंतर्गत हिमाचल प्रदेश में रोपवे के निर्माण के लिए NHLML और राज्य सरकार के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

**चर्चा में क्यों?**

- केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर महत्वाकांक्षी **पर्वतमाला योजना** के अंतर्गत हिमाचल प्रदेश में रोपवे के निर्माण के लिए NHLML (नेशनल हाईवे लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट लिमिटेड) और हिमाचल प्रदेश सरकार के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के गवाह बने।

**प्रमुख बिंदु**

- यह एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन है जो पर्यटकों के लिए एक अद्वितीय, पर्यावरण के अनुकूल, सुंदर और निर्बाध यात्रा अनुभव की सुविधा प्रदान करेगा।विश्वस्तरीय प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर, राज्य में कुल 3,232 करोड़ रुपये की लागत से 57.1 किलोमीटर लंबी 7 रोपवे परियोजनाओं का निर्माण किया जाएगा।

**पर्वतमाला योजना के बारे में:**

- केंद्रीय वित्त मंत्री ने 2022-23 के लिए केंद्रीय बजट पेश करते हुए घोषित राष्ट्रीय रोपवे विकास कार्यक्रम "पर्वतमाला" को PPP मोड पर लिया जाएगा, जो कठिन पहाड़ी क्षेत्रों में पारंपरिक सड़कों के स्थान पर एक पसंदीदा पारिस्थितिक रूप से स्थायी विकल्प होगा।
- यह योजना वर्तमान में उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, मणिपुर, जम्मू और कश्मीर और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों जैसे क्षेत्रों में शुरू की जा रही है।

**स्रोत: PIB**

## Important News: Science

### 6. AAI ने गगन आधारित LPV संचालन प्रक्रिया का उपयोग करते हुए सफलतापूर्वक उड़ान परीक्षण किया

**चर्चा में क्यों?**

- **भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI)** ने राजस्थान में किशनगढ़ हवाई अड्डे पर **गगन (GPS एडेड GEO ऑगमेंटेड नेविगेशन)** आधारित LPV संचालन प्रक्रियाओं का उपयोग करके सफलतापूर्वक परीक्षण किया।
- यह सफल परीक्षण भारतीय नागरिक उड्डयन क्षेत्र के इतिहास में एयर नेविगेशन सर्विसेज (ANS) के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि और प्रमुख मील का पत्थर है।
- भारत एशिया प्रशांत क्षेत्र का ऐसा पहला देश बन गया है जिसने इस तरह की उपलब्धि हासिल की है।

**प्रमुख बिंदु**

- **LPV (लोकलाइजेशन परफॉर्मेंस विद वर्टिकल गाइडेंस)** विमान निर्देशित पद्धति की अनुमति देता है जो जमीन आधारित उड़ान संबंधी बुनियादी ढांचे की आवश्यकता के बिना परिचालन रूप से Cat-IILS के बराबर है। यह सेवा ISRO द्वारा शुरू किए गए GPS और गगन भू-स्थिर उपग्रहों (जीसैट-8, जीसैट-10 और जीसैट-15) की उपलब्धता पर निर्भर करती है।
- गगन एक भारतीय उपग्रह आधारित संवर्धन प्रणाली (SBAS) है जिसे AAO और ISRO ने संयुक्त रूप से विकसित किया है।
- गगन सिस्टम को DGCA ने 2015 में एप्रोच विद वर्टिकल गाइडेंस (APV 1) और एन-रूट (RNP 0.1) संचालन के लिए प्रमाणित किया था।
- भारत (GAGAN-गगन), अमेरिका (WAAS), यूरोप (EGNOS) और जापान (MSAS) नाम से दुनिया में केवल चार अंतरिक्ष-आधारित संवर्धन प्रणालियां उपलब्ध हैं।
- LPV पद्धति से उन हवाई अड्डों पर उतरना संभव हो जाएगा जहां विमान उतारने की महंगी प्रणाली (इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम) नहीं हैं, इसमें कई छोटे क्षेत्रीय और स्थानीय हवाई अड्डे शामिल हैं।

**स्रोत: PIB**

## 7. भारत में सौर ऊर्जा उत्पादन जंगल की आग से प्रभावित हो रहा है: स्टडी

**चर्चा में क्यों?**

- एक नए अध्ययन में पाया गया है कि जंगल की आग जो भारत के विभिन्न हिस्सों में, विशेष रूप से गर्मी के मौसम में, भारत में सौर ऊर्जा उत्पादन को कम करने में एक प्रमुख भूमिका निभाती है।

**प्रमुख बिंदु**

- सौर संयंत्रों के उत्पादन पर जंगल की आग के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रभावों के कारण ऊर्जा और वित्तीय नुकसान के इस तरह के विश्लेषण से ग्रिड ऑपरेटरों को बिजली उत्पादन की योजना बनाने और शेड्यूल करने में मदद मिल सकती है, साथ ही बिजली उत्पादन के वितरण, आपूर्ति, सुरक्षा और समग्र स्थिरता में भी मदद मिल सकती है।
- हाल ही में, भारत जैसे विकासशील देशों में सौर ऊर्जा उत्पादन का व्यापक रूप से उपयोग किया गया है, जिसके पास पर्याप्त सौर संसाधन हैं। हालांकि, विभिन्न स्रोतों से उत्पन्न बादल, एरोसोल और प्रदूषण जैसे कई कारक सौर विकिरण को सीमित करते हैं जिससे फोटोवोल्टिक और केंद्रित सौर ऊर्जा संयंत्र प्रतिष्ठानों में प्रदर्शन संबंधी समस्याएं होती हैं।

**नोट:**

- आर्यभट्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ ऑब्जर्वेशनल साइंसेज (ARIES), नैनीताल में शोधकर्ताओं का एक समूह विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST) भारत सरकार का एक स्वायत्त अनुसंधान संस्थान, और एथेंस की राष्ट्रीय वेधशाला (NOA), ग्रीस ने सौर ऊर्जा उत्पादन को कम करने वाले कारकों का पता लगाने की कोशिश की है।
- उन्होंने पाया कि बादलों और एरोसोल के अलावा, जंगल की आग सौर ऊर्जा उत्पादन को कम करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

**स्रोत: ET**

## Important News: Appointment

### 8. TCS के कृष्णन रामानुजम को 2022-23 के लिए नैसकॉम का अध्यक्ष नियुक्त किया गया

**चर्चा में क्यों?**

- नैसकॉम ने घोषणा की कि टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज में एंटरप्राइज ग्रोथ ग्रुप के अध्यक्ष कृष्णन रामानुजम को 2022-23 के लिए इसके अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है।

**प्रमुख बिंदु**

- रामानुजम इस भूमिका में भारत में एक्सेंचर की अध्यक्ष और वरिष्ठ प्रबंध निदेशक रेखा एम मेनन का स्थान लेंगे।

**नेशनल एसोसिएशन ऑफ सॉफ्टवेयर एंड सर्विसेज कंपनीज (नैसकॉम) के बारे में:**

- नैसकॉम एक भारतीय गैर-सरकारी व्यापार संघ और वकालत समूह है, जो मुख्य रूप से भारत के प्रौद्योगिकी उद्योग पर केंद्रित है।
- **मुख्यालय:** नई दिल्ली
- **स्थापना:** 1 मार्च 1988

**स्रोत: द हिंदू**